



सल्ला पत्रक क्रमांक - २३/२०१७

मंगळवार दिनांक - २०.०६.२०१७

मराठवाडयाकरीता चालु आठवडयातील हवामान अंदाज (दिनांक २१ ते २५ जून २०१७)

| हवामान घटक | जिल्हयाचे नांव | | | | | | | |
|------------------------------|----------------|--------------------|-----------------------------|------------------|--------------------|-----------------------|--------------------|-----------------------------|
| | औरंगाबाद | बीड | हिंगोली | जालना | लातूर | नांदेड | उस्मानाबाद | परभणी |
| पाऊस (मिमी) | ०६.० | १७.० | ०३.० | ०४.० | ०७.० | ०७.० | ०७.० | ०७.० |
| कमाल तापमान (अं.से.) | ३४.०-३५.० | ३४.०-३५.० | ३५.०-३७.० | ३६.०-३७.० | ३०.०-३१.० | ३८.०-३९.० | ३३.०-३५.० | ३५.०-३७.० |
| किमान तापमान (अं.से.) | २२.०-२३.० | २३.०-२५.० | २६.० | २६.०-२८.० | २१.०-२३.० | २५.०-२७.० | १८.०-२०.० | २६.०-२८.० |
| दग स्थिती (आकाश) | स्वच्छ ते दगाळ | अंशतः दगाळ ते दगाळ | अंशतः दगाळ ते पूर्णता: दगाळ | स्वच्छ ते दगाळ | अंशतः दगाळ ते दगाळ | दगाळ ते पूर्णता: दगाळ | अंशतः दगाळ ते दगाळ | अंशतः दगाळ ते पूर्णता: दगाळ |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ७३ - ७७ | ६७ - ७० | ६४ - ६७ | ७० - ७२ | ७१ - ७४ | ६५ - ६७ | ७५ - ७९ | ६६ - ६९ |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ३८ - ४२ | ३३ - ३७ | ३२ - ३७ | ३५ - ३७ | ३३ - ३८ | ३२ - ३७ | ३५ - ४२ | ३३ - ३६ |
| वा-याचा वेग (किमी/तास) | १२ - १५ | १३ - १७ | १० - १७ | १३ - १७ | १४ - १६ | १० - १६ | १२ - १५ | १२ - १७ |
| वा-याची दिशा | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम ते वायव्य | पश्चिम ते वायव्य | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम ते वायव्य |

विशेष सूचना - या आठवडयात मराठवाडयात आकाश अंशतः दगाळ ते पूर्णता: दगाळ राहून हलक्या स्वरूपाचा पाऊस पडण्याची शक्यता आहे.

| पिकांचे नाव | अवस्था | कृषि सल्ला |
|-------------------|-----------------------------------|--|
| कापूस | बियाण्याचे प्रमाण व लागवडीचे अंतर | कोरडवाहू बीटी कापूस लागवड १२० x ४५ सें.मी. (४ x १.५ फुट) अंतरावर करावी. बीटी कपाशी लागवडीसाठी २.५ - ३.० कि.ग्रॅ. प्रती हेक्टरी बियाणे वापरावे. |
| तुर | | कोरडवाहू तुर लागवडी करिता दोन ओळीतील आंतर ९० सें.मी. व दोन रोपातील आंतर २० - ३० सें.मी. एवढे ठेवावे. हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे लागते. बागायतीसाठी एके ठिकाणी २ - ३ बिया टाकून ९० x ९० सें.मी. टोकन पध्दतीने लागवड करावी. टोकण पध्दतीने ५ ते ६ किलो प्रती हेक्टरी बियाणे पुरेसे होते. |
| सोयाबीन | | सोयाबीनच्या मध्यम आकार असलेल्या वाणांसाठी हेक्टरी ६५ किलो (एकरी २६ किलो) बियाणे वापरावे. सोयाबीनची पेरणी ४५ x ५ किवा ३० x ७.५ सें.मी. अंतरावर २.५ ते ३.० सें.मी. खोलीवर करावी. |
| मुग / उडीद | | मुग / उडीद पिकाची पेरणी ३० x १० सें.मी. अंतरावर करावी. पेरणीसाठी प्रती हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे वापरावे. |
| भुईमूग | | भुईमूग पेरणी ३० x १० सें.मी. (उपटया), ४५ x १५ सें.मी. (पस-या) अंतरावर करावी. पेरणीसाठी १०० - १२० किलो (उपटया), ८० किलो (पस-या) जातीचे बियाणे लागते. |
| मका | | मका पिकाच्या लागवडीसाठी उशिरा व मध्यम कालावधीच्या जातीसाठी ७५ x २० सें.मी. तर लवकर पक्व होणा-या जातीसाठी ६० x २० सें.मी. आंतर वापरावे. लागवडीसाठी प्रति हेक्टरी १५ ते २० किलो बियाणे लागते. |
| खरीप ज्वारी | | खरीप ज्वारीच्या पेरणीसाठी दोन ओळीतील अंतर ४५ सें.मी. तर दोन रोपातील अंतर १५ सें.मी. ठेवावे. पेरणीसाठी हेक्टरी ७.५ किलो संकरीत व १० किलो सुधारीत वाणाचे बियाणे पुरेसे होते. |
| बाजरी | | बाजरी पेरणीसाठी हेक्टरी ३ ते ४ किलो चांगले निरोगी बियाणे वापरावे. पेरणी दोन चाडयाच्या पाभरीने (तिफण) करावी. कोरडवाहू क्षेत्रात ४५ x १५ सें.मी. व बागायती क्षेत्रात ३० x १५ सें.मी. अंतरावर करावी. |
| हळद | लागवड | ओलीताची सोय असलेल्या शेतक-यांनी हळदीची लागवड केली नसल्यास ती लवकर करून घ्यावी. जून महिन्याच्या मध्यानंतर लागवड केल्यास उत्पादनात घट येऊ शकते. |
| भाजीपाला | पूर्णलागवड | कांदा पिकात बुरशीजन्य रोग व फुलकिडयांचा प्रादुर्भाव कमी करण्याकरिता, रोपांवर पूर्णलागवडी पूर्वी १ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम + १ मि.ली. कार्बोसल्फान प्रती लिटर पाणी या द्रावणात रोपांची मुळे बुडवून नंतरच पूर्णलागवड करावी. |
| चारा पिके | लागवड | चांगला पाऊस झाल्यानंतर जनावरांसाठी चारापिकांची लागवड करावी. कमी पर्जन्यमान असलेल्या ठिकाणी ज्वारी, बाजरी यासारखी हंगामी पिके घ्यावीत. मध्यम पावसाच्या ठिकाणी मका चारापिकाची लागवड करावी. जास्त पाऊस असणा-या ठिकाणी पाण्याचा योग्य निचरा होईल अशी व्यवस्था करून अथवा उताराची जमीन असेल, अशा भागात बहुवार्षिक चारापिकांची जसे नेपिअर, संकरीत नेपिअरची लागवड करावी. |
| कृषि अभियांत्रिकी | -- | भाजीपाला पिकाच्या रोपांची लागवड करण्यासाठी 'रोपलावणी यंत्राचा' वापर करावा. |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी - ४३१ ४०२
ईमेल - gkmsparbhani@gmail.com



परभणी जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - २३/२०१७

मंगळवार दिनांक - २०.०६.२०१७

| मागील आठवड्यातील हवामानस्थिती (दिनांक १४ ते २० जून २०१७) | | हवामान अंदाज (दिनांक २१ ते २५ जून २०१७) | | | | | | |
|---|-----------------------------------|--|--|--------|--------|--------|--------|------|
| हवामान घटक | | दिनांक | २१/०६ | २२/०६ | २३/०६ | २४/०६ | २५/०६ | |
| पाऊस (मिमी) मागील आठवड्यातील | ३५.२ | पाऊस (मिमी) | ००.० | ००.० | ००.० | ०३.० | ०४.० | |
| पाऊस (मिमी) १/१/२०१७ पासून आजपर्यंत | २३०.५ | कमाल तापमान (अं.से.) | ३६.० | ३७.० | ३५.० | ३५.० | ३६.० | |
| पाऊस (मिमी) १/६/२०१७ पासून आजपर्यंत | २३०.५ | | किमान तापमान (अं.से.) | २६.० | २६.० | २६.० | २७.० | २८.० |
| कमाल तापमान (अं.से.) | ३०.० - ३६.५ | दग स्थिती (आकाश) | अंशतः ढगाळ ते ढगाळ | | | | | |
| किमान तापमान (अं.से.) | २१.० - २५.० | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ६९ | ६७ | ६८ | ६९ | ६६ | |
| दग स्थिती (आकाश) | ढगाळ ते पूर्णताः ढगाळ | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ३५ | ३३ | ३४ | ३४ | ३६ | |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ७९ - १०० | वा-याचा वेग (किमी / तास) | १६ | १७ | १७ | १४ | १२ | |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ४३ - ७९ | वा-याची दिशा | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | वायव्य | |
| वा-याचा वेग (किमी / तास) | २.८ - ७.४ | विशेष सूचना - या आठवड्यात परभणी जिल्ह्यात आकाश अंशतः ढगाळ ते ढगाळ राहून तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस पडण्याची शक्यता आहे. | | | | | | |
| पिकांचे नाव | अवस्था | कृषि सल्ला | | | | | | |
| कापूस | बियाण्याचे प्रमाण व लागवडीचे अंतर | कोरडवाहू बीटी कापूस लागवड १२० x ४५ सें.मी. (४ x १.५ फुट) अंतरावर करावी. बीटी कपाशी लागवडीसाठी २.५ - ३.० कि.ग्रॅ. प्रती हेक्टरा बियाणे वापरावे. | | | | | | |
| तुर | | कोरडवाहू तुर लागवडी करिता दोन ओळीतील आंतर ९० सें.मी. व दोन रोपातील आंतर २० - ३० सें.मी. एवढे ठेवावे. हेक्टरा १२ ते १५ किलो बियाणे लागते. बागायतीसाठी एके ठिकाणी २ - ३ बिया टाकून ९० x ९० सें.मी. टोकन पध्दतीने लागवड करावी. टोकण पध्दतीने ५ ते ६ किलो प्रती हेक्टरा बियाणे पुरेसे होते. | | | | | | |
| सोयाबीन | | सोयाबीनच्या मध्यम आकार असलेल्या वाणांसाठी हेक्टरा ६५ किलो (एकरी २६ किलो) बियाणे वापरावे. सोयाबीनची पेरणी ४५ x ५ किवा ३० x ७.५ सें.मी. अंतरावर २.५ ते ३.० सें.मी. खोलीवर करावी. | | | | | | |
| मुग / उडीद | | मुग / उडीद पिकाची पेरणी ३० x १० सें.मी. अंतरावर करावी. पेरणीसाठी प्रती हेक्टरा १२ ते १५ किलो बियाणे वापरावे. | | | | | | |
| भुईमूग | | भुईमूग पेरणी ३० x १० सें.मी. (उपट्या), ४५ x १५ सें.मी. (पस-या) अंतरावर करावी. पेरणीसाठी १०० - १२० किलो (उपट्या), ८० किलो (पस-या) जातीचे बियाणे लागते. | | | | | | |
| मका | | मका पिकाच्या लागवडीसाठी उशिरा व मध्यम कालावधीच्या जातीसाठी ७५ x २० सें.मी. तर लवकर पक्व होणा-या जातीसाठी ६० x २० सें.मी. आंतर वापरावे. लागवडीसाठी प्रति हेक्टरा १५ ते २० किलो बियाणे लागते. | | | | | | |
| खरीप ज्वारी | | खरीप ज्वारीच्या पेरणीसाठी दोन ओळीतील अंतर ४५ सें.मी. तर दोन रोपातील अंतर १५ सें.मी. ठेवावे. पेरणीसाठी हेक्टरा ७.५ किलो संकरित व १० किलो सुधारीत वाणाचे बियाणे पुरेसे होते. | | | | | | |
| बाजरी | | बाजरी पेरणीसाठी हेक्टरा ३ ते ४ किलो चांगले निरोगी बियाणे वापरावे. पेरणी दोन चाड्याच्या पाभरीने (तिफण) करावी. कोरडवाहू क्षेत्रात ४५ x १५ सें.मी. व बागायती क्षेत्रात ३० x १५ सें.मी. अंतरावर करावी. | | | | | | |
| हळद | | लागवड | ओलीताची सोय असलेल्या शेतक-यांनी हळदीची लागवड केली नसल्यास ती लवकर करून घ्यावी. जून महिन्याच्या मध्यानंतर लागवड केल्यास उत्पादनात घट येऊ शकते. | | | | | |
| भाजीपाला | | पूर्णलागवड | कांदा पिकात बुरशीजन्य रोग व फुलकिड्यांचा प्रादुर्भाव कमी करण्याकरिता, रोपांवर पूर्णलागवडी पूर्वी १ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम + १ मि.ली. कार्बोसल्फान प्रती लिटर पाणी या द्रावणात रोपांची मुळे बुडवून नंतरच पूर्णलागवड करावी. | | | | | |
| चारा पिके | लागवड | चांगला पाऊस झाल्यानंतर जनावरांसाठी चारापिकांची लागवड करावी. कमी पर्जन्यमान असलेल्या ठिकाणी ज्वारी, बाजरी यासारखी हंगामी पिके घ्यावीत. मध्यम पावसाच्या ठिकाणी मका चारापिकाची लागवड करावी. जास्त पाऊस असणा-या ठिकाणी पाण्याचा योग्य निचरा होईल अशी व्यवस्था करून अथवा उताराची जमीन असेल, अशा भागात बहुवार्षिक चारापिकांची जसे नेपिअर, संकरित नेपिअरची लागवड करावी. | | | | | | |
| कृषि अभियांत्रिकी | -- | भाजीपाला पिकाच्या रोपांची लागवड करण्यासाठी 'रोपलावणी यंत्राचा' वापर करावा. | | | | | | |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.

मुख्य प्रकल्प समन्वयक
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी



औरंगाबाद जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - २३/२०१७

मंगळवार दिनांक - २०.०६.२०१७

| औरंगाबाद जिल्हयाकरीता दिनांक २१ ते २५ जून २०१७ साठी हवामान अंदाज | | | | | |
|--|---|--|--|------------|--------|
| हवामान घटक | २१/०६ | २२/०६ | २३/०६ | २४/०६ | २५/०६ |
| पाऊस (मिमी) | ००.० | ००.० | ००.० | ०३.० | ०३.० |
| कमाल तापमान (अं.से.) | ३५.० | ३५.० | ३४.० | ३४.० | ३५.० |
| किमान तापमान (अं.से.) | २२.० | २२.० | २२.० | २३.० | २३.० |
| ढग स्थिती (आकाश) | स्वच्छ | स्वच्छ | अशंत: ढगाळ | अंतश: ढगाळ | ढगाळ |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ७५ | ७६ | ७७ | ७५ | ७३ |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ४२ | ४१ | ४२ | ४१ | ३८ |
| वा-याचा वेग (किमी / तास) | १२ | १२ | १४ | १३ | १५ |
| वा-याची दिशा | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम |
| विशेष सूचना- | या आठवड्यात औरंगाबाद जिल्हयात आकाश स्वच्छ ते ढगाळ राहून तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस पडण्याची शक्यता आहे. | | | | |
| पिकांचे नाव | अवस्था | कृषि सल्ला | | | |
| कापूस | बियाण्याचे प्रमाण व लागवडीचे अंतर | कोरडवाहू बीटी कापूस लागवड १२० x ४५ सें.मी. (४ x १.५ फुट) अंतरावर करावी. बीटी कपाशी लागवडीसाठी २.५ - ३.० कि.ग्रॅ. प्रती हेक्टरी बियाणे वापरावे. | | | |
| तुर | | कोरडवाहू तुर लागवडी करीता दोन ओळीतील आंतर ९० सें.मी. व दोन रोपातील आंतर २० - ३० सें.मी. एवढे ठेवावे. हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे लागते. बागायतीसाठी एके ठिकाणी २ - ३ बिया टाकून ९० x ९० सें.मी. टोकन पध्दतीने लागवड करावी. टोकण पध्दतीने ५ ते ६ किलो प्रती हेक्टरी बियाणे पुरेसे होते. | | | |
| सोयाबीन | | सोयाबीनच्या मध्यम आकार असलेल्या वाणांसाठी हेक्टरी ६५ किलो (एकरी २६ किलो) बियाणे वापरावे. सोयाबीनची पेरणी ४५ x ५ किवा ३० x ७.५ सें.मी. अंतरावर २.५ ते ३.० सें.मी. खोलीवर करावी. | | | |
| मुग / उडीद | | मुग / उडीद पिकाची पेरणी ३० x १० सें.मी. अंतरावर करावी. पेरणीसाठी प्रती हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे वापरावे. | | | |
| भुईमूग | | भुईमूग पेरणी ३० x १० सें.मी. (उपटया), ४५ x १५ सें.मी. (पस-या) अंतरावर करावी. पेरणीसाठी १०० - १२० किलो (उपटया), ८० किलो (पस-या) जातीचे बियाणे लागते. | | | |
| मका | | मका पिकाच्या लागवडीसाठी उशिरा व मध्यम कालावधीच्या जातीसाठी ७५ x २० सें.मी. तर लवकर पक्व होणा-या जातीसाठी ६० x २० सें.मी. आंतर वापरावे. लागवडीसाठी प्रति हेक्टरी १५ ते २० किलो बियाणे लागते. | | | |
| खरीप ज्वारी | | खरीप ज्वारीच्या पेरणीसाठी दोन ओळीतील अंतर ४५ सें.मी. तर दोन रोपातील अंतर १५ सें.मी. ठेवावे. पेरणीसाठी हेक्टरी ७.५ किलो संकरीत व १० किलो सुधारीत वाणाचे बियाणे पुरेसे होते. | | | |
| बाजरी | | बाजरी पेरणीसाठी हेक्टरी ३ ते ४ किलो चांगले निरोगी बियाणे वापरावे. पेरणी दोन चाड्याच्या पाभरीने (तिफण) करावी. कोरडवाहू क्षेत्रात ४५ x १५ सें.मी. व बागायती क्षेत्रात ३० x १५ सें.मी. अंतरावर करावी. | | | |
| हळद | | लागवड | ओलीताची सोय असलेल्या शेतक-यांनी हळदीची लागवड केली नसल्यास ती लवकर करून घ्यावी. जून महिन्याच्या मध्यानंतर लागवड केल्यास उत्पादनात घट येऊ शकते. | | |
| भाजीपाला | | पूर्णलागवड | कांदा पिकात बुरशीजन्य रोग व फुलकिड्यांचा प्रादुर्भाव कमी करण्याकरीता, रोपांवर पूर्णलागवडी पूर्वी १ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम + १ मि.ली. कार्बोसल्फान प्रती लिटर पाणी या द्रावणात रोपांची मुळे बुडवून नंतरच पूर्णलागवड करावी. | | |
| चारा पिके | लागवड | चांगला पाऊस झाल्यानंतर जनावरांसाठी चारापिकांची लागवड करावी. कमी पर्जन्यमान असलेल्या ठिकाणी ज्वारी, बाजरी यासारखी हंगामी पिके घ्यावीत. मध्यम पावसाच्या ठिकाणी मका चारापिकाची लागवड करावी. जास्त पाऊस असणा-या ठिकाणी पाण्याचा योग्य निचरा होईल अशी व्यवस्था करून अथवा उताराची जमीन असेल, अशा भागात बहुवार्षिक चारापिकांची जसे नेपिअर, संकरीत नेपिअरची लागवड करावी. | | | |
| कृषि अभियांत्रिकी | -- | भाजीपाला पिकाच्या रोपांची लागवड करण्यासाठी 'रोपलावणी यंत्राचा' वापर करावा. | | | |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.



बीड जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - २३/२०१७

मंगळवार दिनांक - २०.०६.२०१७

बीड जिल्हयाकरीता दिनांक २१ ते २५ जुन २०१७ साठी हवामान अंदाज

| हवामान घटक | २१/०६ | २२/०६ | २३/०६ | २४/०६ | २५/०६ |
|------------------------------|--------|------------|--------|--------|--------|
| पाऊस (मिमी) | ०३.० | ००.० | ००.० | ०४.० | १०.० |
| कमाल तापमान (अं.से.) | ३५.० | ३५.० | ३४.० | ३४.० | ३५.० |
| किमान तापमान (अं.से.) | २३.० | २३.० | २४.० | २४.० | २५.० |
| ढग स्थिती (आकाश) | ढगाळ | अंशतः ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ७० | ६८ | ७० | ७० | ६७ |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ३७ | ३४ | ३३ | ३४ | ३६ |
| वा-याचा वेग (किमी / तास) | १७ | १६ | १६ | १४ | १३ |
| वा-याची दिशा | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम |

विशेष सूचना - या आठवड्यात बीड जिल्हयात आकाश अंशतः ढगाळ ते ढगाळ राहून तुरळक ठिकाणी हलका ते मध्यम स्वरूपाचा पाऊस पडण्याची शक्यता आहे.

| पिकांचे नाव | अवस्था | कृषि सल्ला | |
|-------------------|-----------------------------------|--|---|
| कापूस | बियाण्याचे प्रमाण व लागवडीचे अंतर | कोरडवाहू बीटी कापूस लागवड १२० x ४५ सें.मी. (४ x १.५ फुट) अंतरावर करावी. बीटी कपाशी लागवडीसाठी २.५ - ३.० कि.ग्रॅ. प्रती हेक्टरी बियाणे वापरावे. | |
| तुर | | कोरडवाहू तुर लागवडी करीता दोन ओळीतील आंतर ९० सें.मी. व दोन रोपातील आंतर २० - ३० सें.मी. एवढे ठेवावे. हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे लागते. बागायतीसाठी एके ठिकाणी २ - ३ बिया टाकून ९० x ९० सें.मी. टोकन पध्दतीने लागवड करावी. टोकण पध्दतीने ५ ते ६ किलो प्रती हेक्टरी बियाणे पुरेसे होते. | |
| सोयाबीन | | सोयाबीनच्या मध्यम आकार असलेल्या वाणांसाठी हेक्टरी ६५ किलो (एकरी २६ किलो) बियाणे वापरावे. सोयाबीनची पेरणी ४५ x ५ किवा ३० x ७.५ सें.मी. अंतरावर २.५ ते ३.० सें.मी. खोलीवर करावी. | |
| मुग / उडीद | | मुग / उडीद पिकाची पेरणी ३० x १० सें.मी. अंतरावर करावी. पेरणीसाठी प्रती हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे वापरावे. | |
| भुईमूग | | भुईमूग पेरणी ३० x १० सें.मी. (उपटया), ४५ x १५ सें.मी. (पस-या) अंतरावर करावी. पेरणीसाठी १०० - १२० किलो (उपटया), ८० किलो (पस-या) जातीचे बियाणे लागते. | |
| मका | | मका पिकाच्या लागवडीसाठी उशिरा व मध्यम कालावधीच्या जातीसाठी ७५ x २० सें.मी. तर लवकर पक्व होणा-या जातीसाठी ६० x २० सें.मी. आंतर वापरावे. लागवडीसाठी प्रति हेक्टरी १५ ते २० किलो बियाणे लागते. | |
| खरीप ज्वारी | | खरीप ज्वारीच्या पेरणीसाठी दोन ओळीतील अंतर ४५ सें.मी. तर दोन रोपातील अंतर १५ सें.मी. ठेवावे. पेरणीसाठी हेक्टरी ७.५ किलो संकरीत व १० किलो सुधारीत वाणाचे बियाणे पुरेसे होते. | |
| बाजरी | | बाजरी पेरणीसाठी हेक्टरी ३ ते ४ किलो चांगले निरोगी बियाणे वापरावे. पेरणी दोन चाडयाच्या पाभरीने (तिफण) करावी. कोरडवाहू क्षेत्रात ४५ x १५ सें.मी. व बागायती क्षेत्रात ३० x १५ सें.मी. अंतरावर करावी. | |
| हळद | | लागवड | ओलीताची सोय असलेल्या शेतक-यांनी हळदीची लागवड केली नसल्यास ती लवकर करून घ्यावी. जून महिन्याच्या मध्यानंतर लागवड केल्यास उत्पादनात घट येऊ शकते. |
| भाजीपाला | | पूर्णलागवड | कांदा पिकात बुरशीजन्य रोग व फुलकिडयांचा प्रादुर्भाव कमी करण्याकरीता, रोपांवर पूर्णलागवडी पूर्वी १ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम + १ मि.ली. कार्बोसल्फान प्रती लिटर पाणी या द्रावणात रोपांची मुळे बुडवून नंतरच पूर्णलागवड करावी. |
| चारा पिके | लागवड | चांगला पाऊस झाल्यानंतर जनावरांसाठी चारापिकांची लागवड करावी. कमी पर्जन्यमान असलेल्या ठिकाणी ज्वारी, बाजरी यासारखी हंगामी पिके घ्यावीत. मध्यम पावसाच्या ठिकाणी मका चारापिकाची लागवड करावी. जास्त पाऊस असणा-या ठिकाणी पाण्याचा योग्य निचरा होईल अशी व्यवस्था करून अथवा उताराची जमीन असेल, अशा भागात बहुवार्षिक चारापिकांची जसे नेपिअर, संकरीत नेपिअरची लागवड करावी. | |
| कृषि अभियांत्रिकी | -- | भाजीपाला पिकाच्या रोपांची लागवड करण्यासाठी 'रोपलावणी यंत्राचा' वापर करावा. | |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.



हिंगोली जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - २३/२०१७

मंगळवार दिनांक - २०.०६.२०१७

हिंगोली जिल्हयाकरीता दिनांक २१ ते २५ जून २०१७ साठी हवामान अंदाज

| हवामान घटक | २१/०६ | २२/०६ | २३/०६ | २४/०६ | २५/०६ |
|------------------------------|--------|------------|--------|--------|---------------|
| पाऊस (मिमी) | ००.० | ००.० | ००.० | ००.० | ०३.० |
| कमाल तापमान (अं.से.) | ३६.० | ३७.० | ३६.० | ३५.० | ३६.० |
| किमान तापमान (अं.से.) | २६.० | २६.० | २६.० | २६.० | २६.० |
| ढग स्थिती (आकाश) | ढगाळ | अंशतः ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ | पूर्णताः ढगाळ |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ६७ | ६६ | ६५ | ६७ | ६४ |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ३३ | ३२ | ३३ | ३४ | ३७ |
| वा-याचा वेग (किमी / तास) | १५ | १७ | १५ | १३ | १० |
| वा-याची दिशा | पश्चिम | पश्चिम | वायव्य | वायव्य | पश्चिम |

विशेष सुचना - या आठवडयात हिंगोली जिल्हयात आकाश अंशतः ढगाळ ते पूर्णताः ढगाळ राहून तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस पडण्याची शक्यता आहे.

| पिकांचे नाव | अवस्था | कृषि सल्ला |
|-------------------|-----------------------------------|--|
| कापूस | | कोरडवाहू बीटी कापूस लागवड १२० x ४५ सें.मी. (४ x १.५ फुट) अंतरावर करावी. बीटी कपाशी लागवडीसाठी २.५ - ३.० कि.ग्रॅ. प्रती हेक्टरा बियाणे वापरावे. |
| तुर | | कोरडवाहू तुर लागवडी करीता दोन ओळीतील आंतर ९० सें.मी. व दोन रोपातील आंतर २० - ३० सें.मी. एवढे ठेवावे. हेक्टरा १२ ते १५ किलो बियाणे लागते. बागायतीसाठी एके ठिकाणी २ - ३ बिया टाकून ९० x ९० सें.मी. टोकन पध्दतीने लागवड करावी. टोकण पध्दतीने ५ ते ६ किलो प्रती हेक्टरा बियाणे पुरेसे होते. |
| सोयाबीन | | सोयाबीनच्या मध्यम आकार असलेल्या वाणांसाठी हेक्टरा ६५ किलो (एकरी २६ किलो) बियाणे वापरावे. सोयाबीनची पेरणी ४५ x ५ किवा ३० x ७.५ सें.मी. अंतरावर २.५ ते ३.० सें.मी. खोलीवर करावी. |
| मुग / उडीद | बियाण्याचे प्रमाण व लागवडीचे अंतर | मुग / उडीद पिकाची पेरणी ३० x १० सें.मी. अंतरावर करावी. पेरणीसाठी प्रती हेक्टरा १२ ते १५ किलो बियाणे वापरावे. |
| भुईमूग | | भुईमूग पेरणी ३० x १० सें.मी. (उपट्या), ४५ x १५ सें.मी. (पस-या) अंतरावर करावी. पेरणीसाठी १०० - १२० किलो (उपट्या), ८० किलो (पस-या) जातीचे बियाणे लागते. |
| मका | | मका पिकाच्या लागवडीसाठी उशिरा व मध्यम कालावधीच्या जातीसाठी ७५ x २० सें.मी. तर लवकर पक्व होणा-या जातीसाठी ६० x २० सें.मी. आंतर वापरावे. लागवडीसाठी प्रति हेक्टरा १५ ते २० किलो बियाणे लागते. |
| खरीप ज्वारी | | खरीप ज्वारीच्या पेरणीसाठी दोन ओळीतील अंतर ४५ सें.मी. तर दोन रोपातील अंतर १५ सें.मी. ठेवावे. पेरणीसाठी हेक्टरा ७.५ किलो संकरीत व १० किलो सुधारीत वाणाचे बियाणे पुरेसे होते. |
| बाजरी | | बाजरी पेरणीसाठी हेक्टरा ३ ते ४ किलो चांगले निरोगी बियाणे वापरावे. पेरणी दोन चाडयाच्या पाभरीने (तिफण) करावी. कोरडवाहू क्षेत्रात ४५ x १५ सें.मी. व बागायती क्षेत्रात ३० x १५ सें.मी. अंतरावर करावी. |
| हळद | लागवड | ओलीताची सोय असलेल्या शेतक-यांनी हळदीची लागवड केली नसल्यास ती लवकर करून घ्यावी. जून महिन्याच्या मध्यानंतर लागवड केल्यास उत्पादनात घट येऊ शकते. |
| भाजीपाला | पूर्णलागवड | कांदा पिकात बुरशीजन्य रोग व फुलकिडयांचा प्रादुर्भाव कमी करण्याकरीता, रोपांवर पूर्णलागवडी पूर्वी १ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम + १ मि.ली. कार्बोसल्फान प्रती लिटर पाणी या द्रावणात रोपांची मुळे बुडवून नंतरच पूर्णलागवड करावी. |
| चारा पिके | लागवड | चांगला पाऊस झाल्यानंतर जनावरांसाठी चारापिकांची लागवड करावी. कमी पर्जन्यमान असलेल्या ठिकाणी ज्वारी, बाजरी यासारखी हंगामी पिके घ्यावीत. मध्यम पावसाच्या ठिकाणी मका चारापिकाची लागवड करावी. जास्त पाऊस असणा-या ठिकाणी पाण्याचा योग्य निचरा होईल अशी व्यवस्था करून अथवा उताराची जमीन असेल, अशा भागात बहुवार्षिक चारापिकांची जसे नेपिअर, संकरीत नेपिअरची लागवड करावी. |
| कृषि अभियांत्रिकी | -- | भाजीपाला पिकाच्या रोपांची लागवड करण्यासाठी 'रोपलावणी यंत्राचा' वापर करावा. |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.



जालना जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - २१/२०१६

मंगळवार दिनांक - १३.०६.२०१६

| जालना जिल्हयाकरीता दिनांक १४ ते १८ जून २०१६ साठी हवामान अंदाज | | | | | |
|---|--|--|---|--------|--------|
| हवामान घटक | २१/०६ | २२/०६ | २३/०६ | २४/०६ | २५/०६ |
| पाऊस (मिमी) | ०१.० | ००.० | ००.० | ०१.० | ०२.० |
| कमाल तापमान (अं.से.) | ३७.० | ३७.० | ३६.० | ३६.० | ३७.० |
| किमान तापमान (अं.से.) | २६.० | २६.० | २६.० | २७.० | २८.० |
| ढग स्थिती (आकाश) | अंशतः ढगाळ | स्वच्छ | ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ७२ | ७१ | ७२ | ७० | ७१ |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ३७ | ३५ | ३७ | ३६ | ३६ |
| वा-याचा वेग (किमी / तास) | १६ | १५ | १७ | १३ | १५ |
| वा-याची दिशा | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | वायव्य | वायव्य |
| विशेष सूचना - | या आठवड्यात जालना जिल्हयात आकाश स्वच्छ ते ढगाळ राहुन तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस पडण्याची शक्यता आहे. | | | | |
| पिकांचे नाव | अवस्था | कृषि सल्ला | | | |
| कापूस | बियाण्याचे प्रमाण व लागवडीचे अंतर | कोरडवाहू बीटी कापूस लागवड १२० x ४५ सें.मी. (४ x १.५ फुट) अंतरावर करावी. बीटी कपाशी लागवडीसाठी २.५ - ३.० कि.ग्रॅ. प्रती हेक्टरी बियाणे वापरावे. | | | |
| तुर | | कोरडवाहू तुर लागवडी करिता दोन ओळीतील आंतर ९० सें.मी. व दोन रोपातील आंतर २० - ३० सें.मी. एवढे ठेवावे. हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे लागते. बागायतीसाठी एके ठिकाणी २ - ३ बिया टाकून ९० x ९० सें.मी. टोकन पध्दतीने लागवड करावी. टोकण पध्दतीने ५ ते ६ किलो प्रती हेक्टरी बियाणे पुरेसे होते. | | | |
| सोयाबीन | | सोयाबीनच्या मध्यम आकार असलेल्या वाणांसाठी हेक्टरी ६५ किलो (एकरी २६ किलो) बियाणे वापरावे. सोयाबीनची पेरणी ४५ x ५ किवा ३० x ७.५ सें.मी. अंतरावर २.५ ते ३.० सें.मी. खोलीवर करावी. | | | |
| मुग / उडीद | | मुग / उडीद पिकाची पेरणी ३० x १० सें.मी. अंतरावर करावी. पेरणीसाठी प्रती हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे वापरावे. | | | |
| भुईमूग | | भुईमूग पेरणी ३० x १० सें.मी. (उपट्या), ४५ x १५ सें.मी. (पस-या) अंतरावर करावी. पेरणीसाठी १०० - १२० किलो (उपट्या), ८० किलो (पस-या) जातीचे बियाणे लागते. | | | |
| मका | | मका पिकाच्या लागवडीसाठी उशिरा व मध्यम कालावधीच्या जातीसाठी ७५ x २० सें.मी. तर लवकर पक्व होणा-या जातीसाठी ६० x २० सें.मी. आंतर वापरावे. लागवडीसाठी प्रति हेक्टरी १५ ते २० किलो बियाणे लागते. | | | |
| खरीप ज्वारी | | खरीप ज्वारीच्या पेरणीसाठी दोन ओळीतील अंतर ४५ सें.मी. तर दोन रोपातील अंतर १५ सें.मी. ठेवावे. पेरणीसाठी हेक्टरी ७.५ किलो संकरीत व १० किलो सुधारीत वाणाचे बियाणे पुरेसे होते. | | | |
| बाजरी | | बाजरी पेरणीसाठी हेक्टरी ३ ते ४ किलो चांगले निरोगी बियाणे वापरावे. पेरणी दोन चाड्याच्या पाभरीने (तिफण) करावी. कोरडवाहू क्षेत्रात ४५ x १५ सें.मी. व बागायती क्षेत्रात ३० x १५ सें.मी. अंतरावर करावी. | | | |
| हळद | | लागवड | ओलीताची सोय असलेल्या शेतक-यांनी हळदीची लागवड केली नसल्यास ती लवकर करून घ्यावी. जून महिन्याच्या मध्यानंतर लागवड केल्यास उत्पादनात घट येऊ शकते. | | |
| भाजीपाला | पूर्णलागवड | कांदा पिकात बुरशीजन्य रोग व फुलकिड्यांचा प्रादुर्भाव कमी करण्याकरीता, रोपांवर पूर्णलागवडी पूर्वी १ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम + १ मि.ली. कार्बोसल्फान प्रती लिटर पाणी या द्रावणात रोपांची मुळे बुडवून नंतरच पूर्णलागवड करावी. | | | |
| चारा पिके | लागवड | चांगला पाऊस झाल्यानंतर जनावरांसाठी चारापिकांची लागवड करावी. कमी पर्जन्यमान असलेल्या ठिकाणी ज्वारी, बाजरी यासारखी हंगामी पिके घ्यावीत. मध्यम पावसाच्या ठिकाणी मका चारापिकाची लागवड करावी. जास्त पाऊस असणा-या ठिकाणी पाण्याचा योग्य निचरा होईल अशी व्यवस्था करून अथवा उताराची जमीन असेल, अशा भागात बहुवार्षिक चारापिकांची जसे नेपिअर, संकरीत नेपिअरची लागवड करावी. | | | |
| कृषि अभियांत्रिकी | -- | भाजीपाला पिकाच्या रोपांची लागवड करण्यासाठी 'रोपलावणी यंत्राचा' वापर करावा. | | | |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी - ४३१ ४०२
ईमेल - gkmsparbhani@gmail.com



लातूर जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - २१/२०१६

मंगळवार दिनांक - १३.०६.२०१६

लातूर जिल्हयाकरीता २१ ते २५ जून २०१६ साठी हवामान अंदाज

| हवामान घटक | २१/०६ | २२/०६ | २३/०६ | २४/०६ | २५/०६ |
|------------------------------|--------|------------|--------|--------|--------|
| पाऊस (मिमी) | ०३.० | ०१.० | ००.० | ०१.० | ०२.० |
| कमाल तापमान (अं.से.) | ३०.० | ३०.० | ३१.० | ३१.० | ३१.० |
| किमान तापमान (अं.से.) | २१.० | २१.० | २१.० | २२.० | २३.० |
| ढग स्थिती (आकाश) | ढगाळ | अंशतः ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ७४ | ७२ | ७१ | ७३ | ७१ |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ३८ | ३५ | ३३ | ३४ | ३८ |
| वा-याचा वेग (किमी / तास) | १६ | १६ | १६ | १४ | १४ |
| वा-याची दिशा | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम |

विशेष सूचना - या आठवडयात लातूर जिल्हयात आकाश अंशतः ढगाळ ते ढगाळ राहून तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस पडण्याची शक्यता आहे.

| पिकांचे नाव | अवस्था | कृषि सल्ला |
|-------------------|---|--|
| कापूस | बियाण्याचे प्रमाण व लागवडीचे अंतर | कोरडवाहू बीटी कापूस लागवड १२० x ४५ सें.मी. (४ x १.५ फुट) अंतरावर करावी. बीटी कपाशी लागवडीसाठी २.५ - ३.० कि.ग्रॅ. प्रती हेक्टरी बियाणे वापरावे. |
| तुर | | कोरडवाहू तुर लागवडी करीता दोन ओळीतील आंतर ९० सें.मी. व दोन रोपातील आंतर २० - ३० सें.मी. एवढे ठेवावे. हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे लागते. बागायतीसाठी एके ठिकाणी २ - ३ बिया टाकून ९० x ९० सें.मी. टोकन पध्दतीने लागवड करावी. टोकण पध्दतीने ५ ते ६ किलो प्रती हेक्टरी बियाणे पुरेसे होते. |
| सोयाबीन | | सोयाबीनच्या मध्यम आकार असलेल्या वाणांसाठी हेक्टरी ६५ किलो (एकरी २६ किलो) बियाणे वापरावे. सोयाबीनची पेरणी ४५ x ५ किवा ३० x ७.५ सें.मी. अंतरावर २.५ ते ३.० सें.मी. खोलीवर करावी. |
| मुग / उडीद | | मुग / उडीद पिकाची पेरणी ३० x १० सें.मी. अंतरावर करावी. पेरणीसाठी प्रती हेक्टरी १२ ते १५ किलो बियाणे वापरावे. |
| भुईमूग | | भुईमूग पेरणी ३० x १० सें.मी. (उपटया), ४५ x १५ सें.मी. (पस-या) अंतरावर करावी. पेरणीसाठी १०० - १२० किलो (उपटया), ८० किलो (पस-या) जातीचे बियाणे लागते. |
| मका | | मका पिकाच्या लागवडीसाठी उशिरा व मध्यम कालावधीच्या जातीसाठी ७५ x २० सें.मी. तर लवकर पक्व होणा-या जातीसाठी ६० x २० सें.मी. आंतर वापरावे. लागवडीसाठी प्रति हेक्टरी १५ ते २० किलो बियाणे लागते. |
| खरीप ज्वारी | | खरीप ज्वारीच्या पेरणीसाठी दोन ओळीतील अंतर ४५ सें.मी. तर दोन रोपातील अंतर १५ सें.मी. ठेवावे. पेरणीसाठी हेक्टरी ७.५ किलो संकरीत व १० किलो सुधारीत वाणाचे बियाणे पुरेसे होते. |
| बाजरी | बाजरी पेरणीसाठी हेक्टरी ३ ते ४ किलो चांगले निरोगी बियाणे वापरावे. पेरणी दोन चाडयाच्या पाभरीने (तिफण) करावी. कोरडवाहू क्षेत्रात ४५ x १५ सें.मी. व बागायती क्षेत्रात ३० x १५ सें.मी. अंतरावर करावी. | |
| हळद | लागवड | ओलीताची सोय असलेल्या शेतक-यांनी हळदीची लागवड केली नसल्यास ती लवकर करून घ्यावी. जून महिन्याच्या मध्यानंतर लागवड केल्यास उत्पादनात घट येऊ शकते. |
| भाजीपाला | पूर्णलागवड | कांदा पिकात बुरशीजन्य रोग व फुलकिडयांचा प्रादुर्भाव कमी करण्याकरीता, रोपांवर पूर्णलागवडी पूर्वी १ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम + १ मि.ली. कार्बोसल्फान प्रती लिटर पाणी या द्रावणात रोपांची मुळे बुडवून नंतरच पूर्णलागवड करावी. |
| चारा पिके | लागवड | चांगला पाऊस झाल्यानंतर जनावरांसाठी चारापिकांची लागवड करावी. कमी पर्जन्यमान असलेल्या ठिकाणी ज्वारी, बाजरी यासारखी हंगामी पिके घ्यावीत. मध्यम पावसाच्या ठिकाणी मका चारापिकाची लागवड करावी. जास्त पाऊस असणा-या ठिकाणी पाण्याचा योग्य निचरा होईल अशी व्यवस्था करून अथवा उताराची जमीन असेल, अशा भागात बहुवार्षिक चारापिकांची जसे नेपिअर, संकरीत नेपिअरची लागवड करावी. |
| कृषि अभियांत्रिकी | -- | भाजीपाला पिकाच्या रोपांची लागवड करण्यासाठी 'रोपलावणी यंत्राचा' वापर करावा. |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.

मुख्य प्रकल्प समन्वयक
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी - ४३१ ४०२
ईमेल - gkmsparbhani@gmail.com



नांदेड जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - २३/२०१७

मंगळवार दिनांक - २०.०६.२०१७

| नांदेड जिल्ह्याकरीता दिनांक २१ ते २५ जुन २०१७ साठी हवामान अंदाज | | | | | |
|---|--|--|--------|--------|---------------|
| हवामान घटक | २१/०६ | २२/०६ | २३/०६ | २४/०६ | २५/०६ |
| पाऊस (मिमी) | ००.० | ००.० | ००.० | ०३.० | ०४.० |
| कमाल तापमान (अं.से.) | ३८.० | ३८.० | ३८.० | ३८.० | ३९.० |
| किमान तापमान (अं.से.) | २५.० | २५.० | २६.० | २६.० | २७.० |
| ढग स्थिती (आकाश) | ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ | पूर्णता: ढगाळ |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ६७ | ६७ | ६५ | ६६ | ६५ |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ३५ | ३२ | ३२ | ३५ | ३७ |
| वा-याचा वेग (किमी / तास) | १५ | १६ | १४ | १३ | १० |
| वा-याची दिशा | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम |
| विशेष सुचना - | या आठवड्यात नांदेड जिल्ह्यात आकाश ढगाळ ते पूर्णता: ढगाळ राहून तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस पडण्याची शक्यता आहे. | | | | |
| पिकांचे नाव | अवस्था | कृषि सल्ला | | | |
| कापूस | बियाण्याचे प्रमाण व लागवडीचे अंतर | कोरडवाहू बीटी कापूस लागवड १२० x ४५ सें.मी. (४ x १.५ फुट) अंतरावर करावी. बीटी कपाशी लागवडीसाठी २.५ - ३.० कि.ग्रॅ. प्रती हेक्टरा बियाणे वापरावे. | | | |
| तुर | | कोरडवाहू तुर लागवडी करिता दोन ओळीतील आंतर ९० सें.मी. व दोन रोपातील आंतर २० - ३० सें.मी. एवढे ठेवावे. हेक्टरा १२ ते १५ किलो बियाणे लागते. बागायतीसाठी एके ठिकाणी २ - ३ बिया टाकून ९० x ९० सें.मी. टोकन पध्दतीने लागवड करावी. टोकण पध्दतीने ५ ते ६ किलो प्रती हेक्टरा बियाणे पुरेसे होते. | | | |
| सोयाबीन | | सोयाबीनच्या मध्यम आकार असलेल्या वाणांसाठी हेक्टरा ६५ किलो (एकरी २६ किलो) बियाणे वापरावे. सोयाबीनची पेरणी ४५ x ५ किवा ३० x ७.५ सें.मी. अंतरावर २.५ ते ३.० सें.मी. खोलीवर करावी. | | | |
| मुग / उडीद | | मुग / उडीद पिकाची पेरणी ३० x १० सें.मी. अंतरावर करावी. पेरणीसाठी प्रती हेक्टरा १२ ते १५ किलो बियाणे वापरावे. | | | |
| भुईमूग | | भुईमूग पेरणी ३० x १० सें.मी. (उपटया), ४५ x १५ सें.मी. (पस-या) अंतरावर करावी. पेरणीसाठी १०० - १२० किलो (उपटया), ८० किलो (पस-या) जातीचे बियाणे लागते. | | | |
| मका | | मका पिकाच्या लागवडीसाठी उशिरा व मध्यम कालावधीच्या जातीसाठी ७५ x २० सें.मी. तर लवकर पक्व होणा-या जातीसाठी ६० x २० सें.मी. आंतर वापरावे. लागवडीसाठी प्रति हेक्टरा १५ ते २० किलो बियाणे लागते. | | | |
| खरीप ज्वारी | | खरीप ज्वारीच्या पेरणीसाठी दोन ओळीतील अंतर ४५ सें.मी. तर दोन रोपातील अंतर १५ सें.मी. ठेवावे. पेरणीसाठी हेक्टरा ७.५ किलो संकरीत व १० किलो सुधारीत वाणाचे बियाणे पुरेसे होते. | | | |
| बाजरी | बाजरी पेरणीसाठी हेक्टरा ३ ते ४ किलो चांगले निरोगी बियाणे वापरावे. पेरणी दोन चाड्याच्या पाभरीने (तिफण) करावी. कोरडवाहू क्षेत्रात ४५ x १५ सें.मी. व बागायती क्षेत्रात ३० x १५ सें.मी. अंतरावर करावी. | | | | |
| हळद | लागवड | ओलीताची सोय असलेल्या शेतक-यांनी हळदीची लागवड केली नसल्यास ती लवकर करून घ्यावी. जून महिन्याच्या मध्यानंतर लागवड केल्यास उत्पादनात घट येऊ शकते. | | | |
| भाजीपाला | पूर्णलागवड | कांदा पिकात बुरशीजन्य रोग व फुलकिड्यांचा प्रादुर्भाव कमी करण्याकरीता, रोपांवर पूर्णलागवडी पूर्वी १ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम + १ मि.ली. कार्बोसल्फान प्रती लिटर पाणी या द्रावणात रोपांची मुळे बुडवून नंतरच पूर्णलागवड करावी. | | | |
| चारा पिके | लागवड | चांगला पाऊस झाल्यानंतर जनावरांसाठी चारापिकांची लागवड करावी. कमी पर्जन्यमान असलेल्या ठिकाणी ज्वारी, बाजरी यासारखी हंगामी पिके घ्यावीत. मध्यम पावसाच्या ठिकाणी मका चारापिकाची लागवड करावी. जास्त पाऊस असणा-या ठिकाणी पाण्याचा योग्य निचरा होईल अशी व्यवस्था करून अथवा उताराची जमीन असेल, अशा भागात बहुवार्षिक चारापिकांची जसे नेपिअर, संकरीत नेपिअरची लागवड करावी. | | | |
| कृषि अभियांत्रिकी | -- | भाजीपाला पिकाच्या रोपांची लागवड करण्यासाठी 'रोपलावणी यंत्राचा' वापर करावा. | | | |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.

मुख्य प्रकल्प समन्वयक
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी - ४३१ ४०२
ईमेल - gkmsparbhani@gmail.com



उस्मानाबाद जिल्हा कृषि हवामान सल्ला पत्रक क्रमांक - २३/२०१७

मंगळवार दिनांक - २०.०६.२०१७

उस्मानाबाद जिल्हयाकरीता दिनांक २१ ते २५ जून २०१७ साठी हवामान अंदाज

| हवामान घटक | २१/०६ | २२/०६ | २३/०६ | २४/०६ | २५/०६ |
|------------------------------|---|--|--------|--------|--------|
| पाऊस (मिमी) | ०२.० | ००.० | ००.० | ०२.० | ०३.० |
| कमाल तापमान (अं.से.) | ३३.० | ३४.० | ३४.० | ३५.० | ३४.० |
| किमान तापमान (अं.से.) | १८.० | १८.० | १८.० | १९.० | २०.० |
| ढग स्थिती (आकाश) | ढगाळ | अंशतः ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ | ढगाळ |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ७९ | ७६ | ७५ | ७६ | ७५ |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ४२ | ३९ | ३५ | ३५ | ३८ |
| वा-याचा वेग (किमी / तास) | १५ | १२ | १३ | १२ | १४ |
| वा-याची दिशा | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम | पश्चिम |
| विशेष सुचना - | या आठवड्यात उस्मानाबाद जिल्हयात आकाश अंशतः ढगाळ ते ढगाळ राहून तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस पडण्याची शक्यता आहे. | | | | |
| पिकांचे नाव | अवस्था | कृषि सल्ला | | | |
| कापूस | | कोरडवाहू बीटी कापूस लागवड १२० x ४५ सें.मी. (४ x १.५ फुट) अंतरावर करावी. बीटी कपाशी लागवडीसाठी २.५ - ३.० कि.ग्रॅ. प्रती हेक्टरा बियाणे वापरावे. | | | |
| तुर | | कोरडवाहू तुर लागवडी करिता दोन ओळीतील आंतर ९० सें.मी. व दोन रोपातील आंतर २० - ३० सें.मी. एवढे ठेवावे. हेक्टरा १२ ते १५ किलो बियाणे लागते. बागायतीसाठी एके ठिकाणी २ - ३ बिया टाकून ९० x ९० सें.मी. टोकन पध्दतीने लागवड करावी. टोकण पध्दतीने ५ ते ६ किलो प्रती हेक्टरा बियाणे पुरेसे होते. | | | |
| सोयाबीन | | सोयाबीनच्या मध्यम आकार असलेल्या वाणांसाठी हेक्टरा ६५ किलो (एकरी २६ किलो) बियाणे वापरावे. सोयाबीनची पेरणी ४५ x ५ किवा ३० x ७.५ सें.मी. अंतरावर २.५ ते ३.० सें.मी. खोलीवर करावी. | | | |
| मुग / उडीद | बियाण्याचे प्रमाण व लागवडीचे अंतर | मुग / उडीद पिकाची पेरणी ३० x १० सें.मी. अंतरावर करावी. पेरणीसाठी प्रती हेक्टरा १२ ते १५ किलो बियाणे वापरावे. | | | |
| भुईमूग | | भुईमूग पेरणी ३० x १० सें.मी. (उपटया), ४५ x १५ सें.मी. (पस-या) अंतरावर करावी. पेरणीसाठी १०० - १२० किलो (उपटया), ८० किलो (पस-या) जातीचे बियाणे लागते. | | | |
| मका | | मका पिकाच्या लागवडीसाठी उशिरा व मध्यम कालावधीच्या जातीसाठी ७५ x २० सें.मी. तर लवकर पक्व होणा-या जातीसाठी ६० x २० सें.मी. आंतर वापरावे. लागवडीसाठी प्रति हेक्टरा १५ ते २० किलो बियाणे लागते. | | | |
| खरीप ज्वारी | | खरीप ज्वारीच्या पेरणीसाठी दोन ओळीतील अंतर ४५ सें.मी. तर दोन रोपातील अंतर १५ सें.मी. ठेवावे. पेरणीसाठी हेक्टरा ७.५ किलो संकरीत व १० किलो सुधारीत वाणाचे बियाणे पुरेसे होते. | | | |
| बाजरी | | बाजरी पेरणीसाठी हेक्टरा ३ ते ४ किलो चांगले निरोगी बियाणे वापरावे. पेरणी दोन चाडयाच्या पाभरीने (तिफण) करावी. कोरडवाहू क्षेत्रात ४५ x १५ सें.मी. व बागायती क्षेत्रात ३० x १५ सें.मी. अंतरावर करावी. | | | |
| हळद | लागवड | ओलीताची सोय असलेल्या शेतक-यांनी हळदीची लागवड केली नसल्यास ती लवकर करून घ्यावी. जून महिन्याच्या मध्यानंतर लागवड केल्यास उत्पादनात घट येऊ शकते. | | | |
| भाजीपाला | पूर्णलागवड | कांदा पिकात बुरशीजन्य रोग व फुलकिडयांचा प्रादुर्भाव कमी करण्याकरीता, रोपांवर पूर्णलागवडी पूर्वी १ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम + १ मि.ली. कार्बोसल्फान प्रती लिटर पाणी या द्रावणात रोपांची मुळे बुडवून नंतरच पूर्णलागवड करावी. | | | |
| चारा पिके | लागवड | चांगला पाऊस झाल्यानंतर जनावरांसाठी चारापिकांची लागवड करावी. कमी पर्जन्यमान असलेल्या ठिकाणी ज्वारी, बाजरी यासारखी हंगामी पिके घ्यावीत. मध्यम पावसाच्या ठिकाणी मका चारापिकाची लागवड करावी. जास्त पाऊस असणा-या ठिकाणी पाण्याचा योग्य निचरा होईल अशी व्यवस्था करून अथवा उताराची जमीन असेल, अशा भागात बहुवार्षिक चारापिकांची जसे नेपिअर, संकरीत नेपिअरची लागवड करावी. | | | |
| कृषि अभियांत्रिकी | -- | भाजीपाला पिकाच्या रोपांची लागवड करण्यासाठी 'रोपलावणी यंत्राचा' वापर करावा. | | | |

सदर कृषि सल्ला पत्रिका वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीवरून तयार करून प्रसारित करण्यात आली.

मुख्य प्रकल्प समन्वयक
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी